

# चांद पर चीन की पराबैंगनी दूरबीन

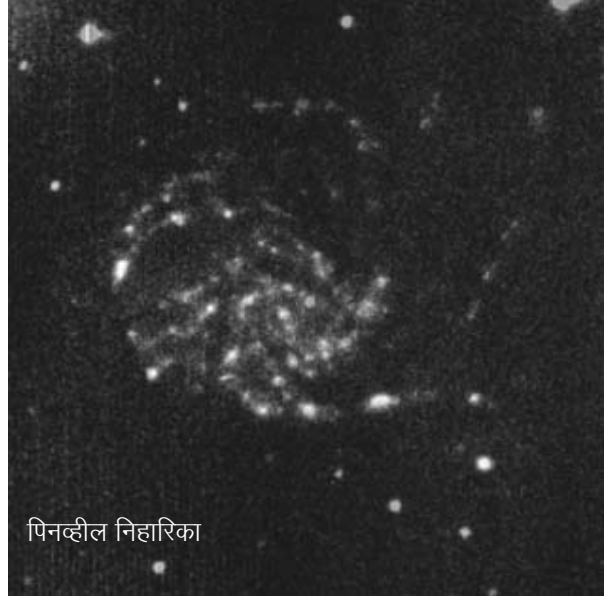
चीनी वैज्ञानिकों ने हाल ही में बताया है कि उन्होंने चांद की धरती पर दो साल पहले जो रोबोट-दूरबीन लगाई थी वह बढ़िया काम कर रही है। यह अपने किस्म की पहली दूरबीन है।

15 से.मी. व्यास की यह दूरबीन चीनी रॉकेट चांग-3 के साथ चांद पर भेजी गई थी। वैसे चांग-3 अपने साथ एक गाड़ी यूतू रोवर भी लेकर गया था मगर वह चांद के कठिन पर्यावरण में ठप हो गई। अलबत्ता, दूरबीन तब से बगैर किसी दिक्कत के काम कर रही है। इसका संचालन पृथ्वी से ही किया जाता है।

यह दूरबीन पराबैंगनी प्रकाश में काम करती है। इसलिए इसकी मदद से ऐसे अवलोकन किए जा सकते हैं जो धरती से संभव न होते। पृथ्वी पर तो वायुमंडल है, जिसकी वजह से पराबैंगनी प्रकाश सतह तक नहीं पहुंच पाता। चांद पर वायुमंडल की कोई बाधा नहीं है और वहां आकाशीय पिंडों से आने वाले पराबैंगनी प्रकाश का अध्ययन आसानी से हो सकता है।

इसके अलावा एक बात और गौरतलब है - पृथ्वी के मुकाबले चांद अपनी धुरी पर 27 गुना कम गति से घूमता है। इससे फायदा यह होता है कि यह दूरबीन ज्यादा समय (कुछ दिनों) तक एक ही चीज़ पर टिकी रह सकती है। इस वजह से आकाशीय पिंडों का अध्ययन ज्यादा बारीकी से किया जा सकता है।

चांद पर काम करने की एक दिक्कत यह है कि वायुमंडल के अभाव में चांद पर आवेशित कणों की बौछार होती रहती है जो दूरबीन के इलेक्ट्रॉनिक घटकों को नुकसान पहुंचा



पिनव्हील निहारिका

सकते हैं। इससे निपटने के लिए दूरबीन को सूर्यास्त व सूर्योदय के समय ढंककर रखने की व्यवस्था है।

बेजिंग स्थित राष्ट्रीय खगोलीय वेधशाला में दूरबीन के प्रभारी जिंग वांग ने हाल ही में प्रकाशित अपने शोध पत्र में बताया है कि यह दूरबीन पिछले 18 महीनों में करीब 2000 घंटे के अवलोकन कर चुकी है और इस दौरान इसने 40 तारों का निरीक्षण किया है। दूरबीन से एक निहारिका - पिनव्हील निहारिका - की तरवीरें भी खींची गई हैं।

शुरुआत में अपेक्षा थी कि यह मात्र 1 साल काम कर पाएगी मगर इसने उम्मीद से कहीं ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है और अभी एकाध साल और काम करेगी। (स्रोत फीचर्स)